# THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD
## MA(Hindi) III SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

| | |
|---|---|
| Course title | **समकालिन विमर्श : स्त्री, दलित, आदिवासी एवं अन्य विमर्श**<br>**CONTEMPORARY DISCOURSE – FEMINISM, DALIT, TRIBAL AND OTHERS** |
| Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.) | a. Existing course without changes |
| Course code | PAPER : MAHINC - 601 |
| Semester | III |
| Number of credits | 04 |
| Maximum intake | 20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**) |
| Day/Time | Wednesday & Thursday / 9.00 to 11.00 am<br>Friday / 11.00 am to 01.00 pm |
| Name of the teacher/s | Prof. T.J. Rekha Rani(RR), Prof. Shyamrao Rathod(SR)& Dr. Malobika(MB) |
| Course description | **Include the following in the course description**<br>a) अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकता से परिचय कराना। स्त्री के अधिकार और सभी पराधीन स्त्रियों के शोषण के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त होगी। समाज के अन्य समुदाय दलित , आदिवासी तथा अन्य समुदाय के अस्तित्व एवं अस्मिता की पहचान कराना मुख्य उद्देश्य है।<br><br>**b) उद्देश्य :**<br>● छात्रों को के संबंध में जानकारी देना। 'सबाल्टर्न डिस्कोर्स'<br>● समाज में स्त्री के स्थान , उसके शोषण व दमन चक्रों के संबंध में छात्रों को जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा।<br>● पितृसत्ता के स्वरूपों, नियमों के कारण स्त्री जीवन की दयनीय वंचित और उपेक्षित जीवन , जीने की विवशता से अवगत होगें।<br>● हाशिये के समूहों के प्रति संवेदना विकसित करना।<br>● अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकी से परिचय कराना।<br>● अस्मिता विमर्श की वैचारिकी और उसकी विश्लेषण की क्षमता को विकसित करना।<br>● दलित एवं आदिवासी चिंतन में वैचारिकी के स्तर पर साम्य एवं वैषम्य को रेखांकित करना।<br>**c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :**<br>● आधी आबादी की स्वतंत्रता अधिकार के प्रति जागरूक हो सकेंगे तथा मानवीय दृष्टिकोण , का विकास होगा।<br>● स्त्री के शोषण के इतिहास की जानकारी मिलेगी।<br>● दलित एवं आदिवासी साहित्य के द्वारा समाजशास्त्रीय दृष्टि बनने में सहायक होगें।<br>● दलित एवं आदिवासी साहित्य के द्वारा बहुजन समान की ऐतिहासिक , संवैधानिक एवं भविष्य से परिचित हो सकेंगे।<br>● अस्मितामूलक पाठ्य रचनाओं का चिंतन और विश्लेषण कर सकेंगे तथा अन्य विमर्श से परिचित होगें। |

**इकाई-1**

- अस्मिता अर्थ और स्वरूप :।
- अस्मिताओं के उभार के कारण।
- अस्मितामूलक साहित्य अवधारणा और विकास :।

**इकाई-2**

**निबंध :**

- श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा

**उपन्यास :**

- बेघर : ममता कालिया

**आत्मकथा :**

- अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान

**कविता (एक कविताएँ-प्रत्येक संग्रह से एक)**

- मुझे मुक्ति दो (संग्रह-काव्य) : तसलीमा नसरीन
- खुरदुरी हथेलियाँ (संग्रह-काव्य) : अनामिका
- इस पौरुष पूर्ण समय में : कात्यायनी
- घर निकासी :नीलेश रघुवंशी

**इकाई-3**

- दलित साहित्यअर्थ एवं अवधारणा। :
- दलित अस्मिता :ऐतिहासिक विकास क्रम।
- हिंदी साहित्य में दलित लेखन, प्रतिमान एवं चुनौतियाँ।
- दलित आंदोलन और सामाजिक परिवर्तन में डॉअम्बेडकर का योगदान। .

**इकाई-4**

**आत्मकथा :**

- जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि

**कविता :**

- अछूत : हीराडोम

**कहानी :**

- नोबार : जयप्रकाश कर्दम

**अलोचनानिबंध/ :**

- दलित उत्पीडन की परपंरा और वर्तमान : मोहनदास नैमिशराय

**इकाई-5**

- आदिवासी समाज।
- आदिवासी समाज का विविध संदर्भ।
- आदिवासी अस्तित्व एवं अस्मिता का संकटस्वरूप।/
- आदिवासी साहित्य की विकास परंपरा और हिंदी आदिवासी साहित्य लेखन का महत्व।

| | |
|---|---|
| | **इकाई-6**<br>**उपन्यास :**<br>● 'धूणी तपे तीर' : हरिराम मीणा<br>**कहानी :**<br>● 'साक्षी है पीपल' : जोराम यालाम<br>**कविता :**<br>● 'स्टेज' : वाहरू सोनवणे<br>● 'नगाडे की तरह बजते शब्द' : निर्मला पुतुल<br>● 'कलम को तीर होने दो' : ग्रेस कुजूर<br>**नाटक :**<br>■ कालीबाई : प्रभात मीणा |
| Course delivery | Lecture/Seminar/Experiential learning<br>● अस्मिता अर्थ और स्वरूप :।<br>● श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा<br>● दलित साहित्यअर्थ एवं अवधारणा। :<br>● जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि<br>● आदिवासी समाज का विविध संदर्भ<br>● 'धूणी तपे तीर' : हरिराम मीणा |
| Evaluation scheme | Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva<br>End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam |
| Reading list | Essential reading : **संदर्भ ग्रंथ**<br>● स्त्रियों की पराधीनता : जॉन स्टुअर्ट मिल<br>● स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका<br>● स्त्री उपेक्षिता : सीमोनदि बुवार (प्रभा खेतान - .अनु)<br>● पितृसत्ता के नये रूप : राजेन्द्र यादव<br><br>Additional reading : **संदर्भ ग्रंथ**<br>● स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार<br>● हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे<br>● बंग महिला नारी मुक्ति का संघर्ष : भवदेव पाण्डेय<br>● स्त्री देह का विमर्श : सुधीश पचौरी<br>● औरत के हक में : तसलीमा नसरीन<br>● बधिया स्त्री : जर्मेन ग्रीयर<br>● स्त्री पुरूष संबंधों का रोमांचकारी इतिहास : मन्मथनाथ गुप्त<br>● स्त्री सृजन और संघर्ष : श्रीधरम<br>● भारत में स्त्री असमानता : गोपा जोशी<br>● परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय |

| | |
|---|---|
| | • स्त्रीपुरुष तुल-ना : ताराबाई शिन्दे<br>• नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी<br>• सीमन्तनी उपदेश : एक अज्ञात हिन्दू महिला, (संधर्मवीर (.<br>• स्त्री अस्मिता और समकालीन कविता : .पी .प्रमीला के<br>• स्त्री अध्ययन की बुनियाद : प्रमीला के.पी .<br>• वजूद औरत का : ग्लोरिया स्टायनेम (भावना मिश्रा -.अनु)<br>• देह ही देश : गरिमा श्रीवास्तव<br>• यौन दासियाँ : लुइज़ ब्राउन<br>• श्रृंखला की कड़िया : महादेवी वर्मा<br>• हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमनराजे<br>• स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार<br>• दलित साहित्यका सौंदर्य शास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले<br>• दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि<br>• दलित साहित्य का समाज शास्त्र : हरिनारायण ठाकुर<br>• आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेंद्रचौबे<br>• अभिशप्तचिंतन से इतिहास चिंतन की ओर : डॉधर्मवीर .<br>• जाति व्यवस्था : सच्चिदानंद सिन्हा<br>• जनजातीय संस्कृति : गया पाण्डेय<br>• जनजातीय भारत : नदीय ह सनैन<br>• आदिवासी साहित्य यात्रा- : रमणिका गुप्ता (.सं)<br>• आदिवासी कौन : (.सं) रमणिका गुप्ता<br>• हाशिये की वैचारिकी : उमाशंकर चौधरी (.सं)<br>• आदिवासी दर्शन और समाज : हरिराम मीणा<br>• मानव शास्त्र : रामनाथ शर्मा .डॉ<br>• उत्तरशती के हिन्दी साहित्य में मुस्लिम जन-जीवन : डॉ. रेखा रानी |

| MA(Hindi) III SEMESTER : COURSE DESCRIPTION | |
|---|---|
| Course title | **काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना**<br>**POETICS AND HINDI LITERARY CRITICISM** |
| Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.) | b. Existing course without changes |
| Course code | PAPER : MAHINC 605 |
| Semester | III |
| Number of credits | 04 |
| Maximum intake | 20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**) |

| | |
|---|---|
| Day/Time | Monday & Tuesday/ 09.00 am to 11.00 am |
| Name of the teacher/s | Dr. Priyadarshini (PD) |
| Course description | **Include the following in the course description**<br>a) भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का विवेक , विभिन्न आचार्यों की अवधारणाओं की समझ तथा पाश्चात्य कव्यशास्त्र में पश्चिम के प्रमुख साहित्य चिंतकों एवं उनकी साहित्यिक वैचारिक-स्थापनाओं से परिचित कराना है ।<br>**b) उद्देश्य :**<br>● भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराना ।<br>● साहित्यशास्त्र का आस्वादन एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना ।<br>● भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से अवगत कराना ।<br>● भाषा एवं साहित्य के शिक्षक की योग्यता को विकसित करना ।<br>● साहित्य के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता को विकास करना ।<br>● प्रमुख आलोचकों की अवधारणाओं और प्रतिमानों से परिचित कराना ।<br>● आलोचना के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उनके आलोचनात्मक विवेक को धार प्रदान करना।<br>● किसी रचना के अर्थ के विस्तार , उसके सृजन के कारणों , ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की पड़ताल कराना ।<br>**c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :**<br>● काव्यलक्षण-, काव्यहेतु-, काव्यप्रयोजन-, काव्य के प्रकार और विभिन्न सिद्धांतों की जानकारी होगी ।<br>● संस्कृत और हिंदी के प्रमुख काव्यशास्त्रियों आलोचकों की साहित्य विषयक मान्यताओं-को समझ पाएंगे ।<br>● पाश्चात्य विचारकों और उनके सिद्धांतों का मूल्यांकनविश्लेषण कर सकेंगे ।-<br>● प्रमुख साहित्यिक वादों को समझ पाएंगे ।<br>● हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि को समझ पाएंगे ।<br>● हिंदी के प्रमुख आलोचकों और उनकी आलोचना दृष्टियों को समझ पाएंगे ।<br>● हिंदी आलोचना की प्रकृति, प्रवृत्ति एवं विकासक्रम से परिचित हो पाएंगे ।<br>● साहित्यिक कृतियों का मूल्यांकनविश्लेषण कर पाएंगे ।-<br>**इकाई-1**<br>● काव्यलक्षण-, काव्यहेतु-, काव्यप्रयोजन-, काव्य के प्रकार ।<br>● अलंकार, रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत का संक्षिप्त परिचय ।<br>● हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि , शुक्लपूर्व युग की आलोचना बालकृष्ण भट्ट-, बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', महावीर प्रसाद द्विवेदी , श्यामसुंदर दास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और शुक्ल युग की आलोचना ।<br>**इकाई-2**<br>● रस सिद्धांत रस की अवधारणा :, रस का स्वरूप , प्रमुख व्याख्याकार, रस निष्पति, रस के अंग । |

| | |
|---|---|
| | • ध्वनि सिद्धांत ध्वनि का स्वरूप -, सिद्धांत और ध्वनि भेद।<br>• शुक्लोत्तर आलोचना आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी -, नंददुलारे वाजपेयी, डॉनगेंद्र ., जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा और सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।<br>**इकाई-3**<br>• अरस्तूअनुकृति-, त्रासदी और उसके तत्व, विरेचन।<br>• क्रोंचे अभिव्यंजनावाद -।<br>• आईमूल्य सिद्धांत - रिचडर्स.ए., भाषा के विविध रूप।<br>• टी- इलिएट .एस. परंपरा और व्यक्तित्व का प्रश्न , वस्तुनिष्ठ समीकरण, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, क्लासिक और रोमांटिक।<br>• प्रगतिशील आलोचना शिवदान सिंह चौहान -, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोंध, नामवर सिंह।<br>**इकाई-4**<br>• हिंदी के प्रमुख आलोचकों की साहित्य विषयक मान्यताओं का अध्ययन।<br>• रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी और रामविलास शर्मा।<br>• नई समीक्षा और प्रमुख साहित्यिक वाद।<br>• आधुनिकतावादी आलोचना अज्ञेय -, विजयदेव नारायण साही , धर्मवीर भारती , रामस्वरूप चतुर्वेदी।<br>• हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और प्रमुख आलोचक – शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय। |
| Course delivery | Lecture/Seminar/Experiential learning :<br>• काव्यलक्षण-, काव्यहेतु-, काव्यप्रयोजन-, काव्य के प्रकार।<br>• ध्वनि सिद्धांत ध्वनि का स्वरूप -, सिद्धांत और ध्वनि भेद।<br>• हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि , शुक्लपूर्व युग की आलोचना बालकृष्ण भट्ट-, बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', महावीर प्रसाद द्विवेदी , श्यामसुंदर दास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और शुक्ल युग की आलोचना।<br>• हिंदी की मार्क्सवादी आलोचना और प्रमुख आलोचक – शिवदान सिंह चौहान , रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय। |
| Evaluation scheme | Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva<br>End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam |
| Reading list | **Essential reading : संदर्भ ग्रंथ**<br>• भारतीय काव्यशास्त्र- : सत्यदेव चौधरी<br>• भारतीय काव्यशास्त्र- : देवेन्द्रनाथ शर्मा<br>• परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा<br>• आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा |

| | |
|---|---|
| | **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ**<br>• साहित्यसिद्धांत- : राम अवध द्विवेदी<br>• हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह<br>• संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : सुशील कुमार डे<br>• भारतीय साहित्य शास्त्र : गणेश त्र्यंबक देशपांडे<br>• रस प्रक्रिया : शंकरदेव अवतरे<br>• रस मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल<br>• 10. Literary Criticism Ashort History : Wimsatt and Brooks<br>• 11. Twentieth Century Literacy Criticism : Handy Wenbook<br>• 12. The Word, the text and the critic : Edward Said<br>• 13. Marxism and art : Solomon Maynard<br>• 14. Marxism and Literature : Raymond Williams<br>• The Philosophy of Art of Kari Marx : M. Lifshtiz<br>• 16. Culture and Society (1780-1950) : Raymond Williams<br>• 17. Studies in Europiean Realism : Luckasc<br>• 18. Studies in contemporary Realism : Luckasc<br>• 19. Walter Benjamin : Edt. - Terry Egaltom<br>Anotonio Gramschi - Selection from culture writings Edt. by David Forgaes and Geffry Nowell |

| **MA(Hindi) III SEMESTER : COURSE DESCRIPTION** | |
|---|---|
| Course title | **भारतीय साहित्य : इतिहास एवं संस्कृति**<br>**INDIAN LITERATURE : HISTORY AND CULTURE** |
| Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.) | c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50% |
| Course code | PAPER : MAHINC 610 |
| Semester | III |
| Number of credits | 04 |
| Maximum intake | 20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**) |
| Day/Time | Monday & Tuesday/ 11.00 am to 01.00 pm |
| Name of the teacher/s | Prof. T.J. Rekha Rani (RR) |

| | |
|---|---|
| Course description | **Include the following in the course description :**<br>a) भारतीय साहित्य के अध्ययन से समन्वित सांस्कृतिक रूप में भारतीयता क्षेत्र का निर्माण एवं एकता की भाषा ही नहीं बल्कि भारतीय विचारों और भावनाओं का समुचित ज्ञान प्राप्त होगा।<br><br>**b) उद्देश्य :**<br>● विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य के वृहद ज्ञान एवं उस के महत्व से परिचित कराना।<br>● भारतीय साहित्य के मनोभावों के प्रति बौद्धिक एवं तार्किक दृष्टि पैदा कराना।<br>● भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना।<br>● चयनित रचनाओं के अध्ययन द्वारा भारत के सामाजिकसांस्कृतिक जीवन को समझना-। साहित्य के माध्यम से भारतीयता की भावना को निर्माण करना।<br><br>**c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :**<br>● भारतीय साहित्य की अवधारणा और उसके अध्ययन की समस्याओं को रेखांकित कर पाएंगे।<br>● भारतीय साहित्य की श्रेष्ठ विधाओं का अस्वादन और विश्लेषण कर सकेंगे।<br>● साहित्य के माध्यम से भारत की भावात्मक एवं सांस्कृतिक एकता को समझ सकेंगे।<br>● भारतीय भाषाओं एवं साहित्य में अनुवाद के महत्व को समझ सकेंगे।<br>● भारतीय साहित्यकार की श्रेष्ठ रचनाओं के आधार पर भारतीय इतिहास एवं संस्कृति का परिचय।<br>के साथ साथ-भारतीय भाषा और साहित्य के परस्पर तुलनात्मक अध्ययन का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।<br><br>**इकाई-1**<br>● भारतीय साहित्य का स्वरूप–अनेकता में एकता।<br>● भारतीय साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ – सामाजिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक।<br>● भारतीय साहित्य और भारतीय भाषाएँ–अंतर्संबंध और अंतर संघर्ष।<br>● भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय जीवन-मूल्यों का अनुशीलन।<br>● भारतीय श्रेष्ठ साहित्यकारों का परिचयात्मक अध्ययन।<br>**इकाई-2**<br>**उपन्यास**<br>● छःबीघा जमीन : फकीर मोहन सेनापति (उड़िया)<br>● मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै (मलयालम्)<br>● संस्कार : यु आर अंनतमूर्ति) कन्नड(<br>**इकाई-3**<br>**कहानी**<br>● मुआवजा : पी. पदमराजु, भीमसेन निर्मल (तेलुगु)<br>● गाँव का कुआँ : कोलकरी नाग (तेलुगु) |

| | |
|---|---|
| | **इकाई-4**<br>**कविता**<br>● स्वतन्त्रता का पल्लू : सुब्रह्मण्य भारती (तमिल(<br>**नाटक**<br>● घासीराम कोतवाल : विजयतेंदुलकर (मराठी) |
| Course delivery | Lecture/Seminar/Experiential learning :<br>● भारतीय साहित्य का स्वरूप : अनेकता में एकता।<br>● छःबीघा जमीन : फकीर मोहन सेनापति (उड़िया)<br>● गाँव का कुआँ : कोलकरी नाग (तेलुगु)<br>● स्वतन्त्रता का पल्लू : सुब्रह्मण्य भारती (तमिल( |
| Evaluation scheme | Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva<br>End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam |
| Reading list | **Essential reading : संदर्भ ग्रंथ**<br>● भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : नगेन्द्र<br>● बंगला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन<br>● साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय<br>● भारतीय साहित्य की समस्या : रामविलास शर्मा<br>**Additional reading : संदर्भ ग्रंथ**<br>● उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : सैयद एहतेशाम<br>● संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह दिनकर<br>● स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय<br>● साहित्य और संस्कृति : अमृतलाल नागर<br>● भारतीय संस्कृति के स्वर : महादेवी वर्मा<br>● History of Indian Literature : Sisir Kumar Das<br>● Indian Culture and Heritage : S. Radhakrishanan<br>● इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेंडेंस : सं आर साहित्य .एस .के . अकादमी, दिल्ली<br>● कंपैरेटिव लिटरेचर : डॉ नगेंद्र ,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली<br>● भारतीय साहित्य : भोला शंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी<br>● आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथना खेड़े, राजकमल, दिल्ली<br>● भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं : रामविलास शर्मा .डॉ<br>● लोक साहित्य विज्ञान : सत्येंद्र शिव लाल एंड कंपनी, |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | आगरा |
| | • लोक साहित्य की भूमिका | : | कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन , इलाहाबाद। |
| | • लोकगीतों के संदर्भ और आयाम | : | शांति चयन |
| | • लोक साहित्य का अध्ययन इलाहाबाद। | : | त्रिलोचन पांडे, लोकभारती, |
| | • भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास | : | डॉ .नगेंद्र |
| | • भारतीय साहित्य की समस्या | : | राम विलास शर्मा |

| MA(Hindi) III SEMESTER : COURSE DESCRIPTION | |
|---|---|
| Course title | **हिंदी भाषा संरचना :एवं इतिहास**<br>**HINDI LANGUAGE: STRUCTURE & HISTORY** |
| Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.) | d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50% |
| Course code | PAPER : MAHINC 515 |
| Semester | III |
| Number of credits | 04 |
| Maximum intake | 20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**) |
| Day/Time | Wednesday & Thursday / 11.00 am to 1.00 pm<br>Friday / 09.00 am to11.00 am |
| Name of the teacher/s | Dr. Malobika (MB) |
| Course description | **Include the following in the course description :**<br>a) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिंदी के शब्द भंडारों की स्थिति एवं गति, हिंदी भाषा की समस्याएं एवं चुनौतियां तथा देवनागरी लिपि के महत्व पर प्रकाश डाल कर भाषा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अवगत कराना है।<br>**b) उद्देश्य :**<br>• भाषा एवं साहित्य के विद्यार्थी की योग्यता को विकसित करना।<br>• भाषा का वैज्ञानिक ढंग से पठन-पाठन करना।<br>• भाषा विज्ञान के माध्यम से सामाजिक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझने की योग्यता विकसित करना।<br>• भाषा विज्ञान के विविध पहलुओं से परिचित कराना।<br>• हिंदी भाषा अध्ययन की वैज्ञानिक पद्धति से अवगत कराना।<br>**c) पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :**<br>• भाषा विज्ञान की सैद्धांतिकी और भाषा परिवारों से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।<br>• हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि के संबंध में जान पाएंगे।<br>• हिंदी भाषा की संरचना, हिंदी की ध्वनियाँ और उनके वर्गीकरण को समझ पाएंगे। |

| | |
|---|---|
| | • भाषा विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र आदि क्षेत्र में शोध के द्वारा रोजगार प्राप्त कर सकेंगे ।<br><br>**इकाई-1**<br>• भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण ।<br>• भाषा विज्ञान स्वरूप और व्याप्ति ।<br>• भाषओं का वर्गीकरण ।<br>• भाषा की संरचना ।<br>**इकाई-2**<br>• ध्वनि विज्ञान ।<br>• रूप विज्ञान ।<br>• वाक्य विज्ञान ।<br>• अर्थ विज्ञान ।<br>**इकाई-3**<br>• हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ।<br>• हिंदी की उपभाषाएं (बोलियां) ।<br>• जनपदीय भाषाओं का विकास ।<br>• भाषा और लिपि का संबंध ।<br>• देवनागरी लिपि का मानकीकरण ।<br>**इकाई-4**<br>• हिंदी भाषा की संरचना ।<br>• हिंदी ध्वनियाँ और उनका वर्गीकरण ।<br>• शब्द साधन, शब्द रचना, रूपांतरण, वाक्य विन्यास, विराम चिह्न । |
| Course delivery | Lecture/Seminar/Experiential learning :<br>• भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण ।<br>• ध्वनि विज्ञान ।<br>• हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ।<br>• हिंदी भाषा की संरचना । |
| Evaluation scheme | Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva<br>End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam |
| Reading list | **Essential reading : संदर्भ ग्रंथ**<br>• भाषा और समाज : डॉ रामविलास शर्मा<br>• सामान्य भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी<br>• भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा<br>• हिन्दी भाषा इतिहास और स्वरूप : : राजमणि शर्मा |

| | |
|---|---|
| | **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ**<br>• भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : रामविलास शर्मा<br>• हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : नामवर सिंह<br>• हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा<br>• भाषा का समाजशास्त्र : राजेंद्र प्रसाद सिंह<br>• हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव<br>• हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु<br>• आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलनाथ तिवारी<br>• One Language Two Script : Christipher King, Oxford University<br>• The Hindi Public Sphere(1920-1940) : Frencheska Orsini, Oxford University |